



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 4, 1989 (कार्तिक 13, 1911)
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 4, 1989 (KARTIKA 13, 1911)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	विषय-सूची	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—	रक्षा मंत्रालय को छोड़कर भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों, संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं .	763
भाग I—खण्ड 2—	(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .	113 B
भाग I—खण्ड 3—	रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांखिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .	
भाग I—खण्ड 4—	रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .	1603
भाग II—खण्ड 1—	अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खण्ड 1—क—	अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—	विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टे	*
भाग II—खण्ड 3—	उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—खण्ड 3—	उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं .	*
भाग II—खण्ड 3—	उप-खण्ड (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल हैं) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के द्वितीय अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खण्ड 4—	रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक नियम और आदेश	*
भाग III—खण्ड 1—	उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .	967
भाग III—खण्ड 2—	पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस .	1047
भाग III—खण्ड 3—	मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .	*
भाग III—खण्ड 4—	विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं .	1263
भाग IV—	गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस .	157
भाग V—	अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को निम्नलिखित बाला अनुपूरक में .	*

*शून्यके प्रान्त नहीं।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	763	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories).	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1135	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	967
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1603	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	1047
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1263
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	157
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 1989

सं. 80-प्रेज/89—राष्ट्रपति सहर्ष निवेदन करते हैं कि श्री लंका में “पवन संक्रिया” में भारतीय शांति सेना के कार्मिकों की सेवा के अभिज्ञानार्थ “विशिष्ट सेवा मंडल” के साथ पहने जाने वाले क्लास के संस्थापन के संबंध में 5 अगस्त, 1989 के भारत के राजपत्र के भाग-1, खण्ड-1 में प्रकाशित इस सचिवालय की 20 जुलाई, 1989 की अधिसूचना सं. 65-प्रेज/89 में निम्नलिखित संशोधन किया जाये :

पैरा 2 के उप पैरा (क) और (इ) में

एक वर्ष ——के स्थान पर

90 दिन ——पढ़ा जाये

सं. 81-प्रेज/89—राष्ट्रपति सहर्ष निवेदन करते हैं कि श्री लंका में “पवन संक्रिया” में भारतीय शांति सेना के कार्मिकों की सेवा के अभिज्ञानार्थ “विशेष सेवा मंडल” के साथ “श्री लंका” क्लास दिए जाने के बारे में 5 अगस्त, 1989 के भारत के राजपत्र के भाग-1, खण्ड-1 में प्रकाशित इस सचिवालय की 20 जुलाई, 1989 की अधिसूचना सं. 66-प्रेज/89 में निम्नलिखित संशोधन किया जाये :

पैरा 2 के उप पैरा (क) और (इ) में

एक वर्ष ——के स्थान पर

90 दिन ——पढ़ा जाये

राजीव महर्षि,
राष्ट्रपति का उप सचिव

कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1989

सं. 15(1)=89-बी० सू० का०—श्री जे० मैथ्यू, उप सलाहकार, कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय बीस सूत्री कार्यक्रम प्रमाण, इस मंत्रालय की अधिसूचना सं. 15-1=89 बी० सू० का० दिनांक 5 मई, 1989 के अनुसार गठित (1) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और (2) वानिकी उप समूह में अपने संबंधित क्षेत्रों में गूणात्मक प्रबोधन के लिए संतोषजनक मानकों के निर्धारण हेतु श्री एम० रामचन्द्रन के स्थान पर गचिय के रूप में कार्य करें।

सं. 15(1)=89-बी० सू० का०—ग्रामीण रोजगार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पेय जल आपूर्ति/वानिकी और शिक्षा संबंधी पांच उप समूहों का गठन करने वाली इस मंत्रालय की दिनांक 5 मई, 1989 की सम संयुक्त अधिसूचना में आंगिक संशोधन करने हुए श्री एम० डी० अस्वाना, संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, नई दिल्ली-110001, को वानिकी उप समूह के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

कल्याण बिश्वास, संयुक्त सचिव

गृह मंत्रालय

(राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1989

संकल्प :

सं. 1/20017/387-रा० भा०(क)-1—राजभाषा विभाग के 20 जनवरी, 1989 के संकल्प सं. 1=20017=387 दिनांक रा० भा०(क)1 के अधीन पुनर्गठित केन्द्रीय हिन्दी समिति के सदस्यों में निम्नलिखित परिवर्तन किया जाता है :—

1. क्रमसंख्या-6 पर “संचार मंत्री” के स्थान पर “संचार राज्य मंत्री” किया जाए।

2. क्रम संख्या 20 पर “श्री बी० तुलसी राम, सदस्य” के स्थान पर श्री “जे० चौकटा राव, संसद सदस्य,” किया जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों तथा शासित क्षेत्रों के प्रशासकों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधानमंत्री, कार्यालय, योजना आयोग, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार, लोकसभा सचिवालय और राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण के सूचनाएं भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सर्वेश्वर शा, निदेशक

विदेश मंत्रालय

(जवाहर पुरस्कार)

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर, 1989

संकल्प

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के लेखकों को विदेश मंत्रालय में संबद्ध विषयों पर हिन्दी में लिखी गई उनकी मौलिक कृतियों पर पुरस्कार देने के लिए “हिन्दी में मौलिक लेखन कार्य के लिए विदेश मंत्रालय पुरस्कार योजना” लागू करने का निर्णय किया है।

2. उद्देश्य

इस योजना का मुख्य उद्देश्य राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग, संघर्ष तथा कानून, विषय शांति, गुट निरपेक्षता आदि जैसे विदेश मंत्रालय के संबद्ध विषयों पर हिन्दी में लेखन को प्रोत्साहन देना है। इस पुरस्कार का नाम जवाहर पुरस्कार है।

3. परिभाषा

इस योजना के अन्तर्गत हिन्दी में मौलिक लेखन की परिभाषा नीचे विषय अनुसार है :—

(क) प्रतियोगी द्वारा स्वयं हिन्दी में लिखा गया मौलिक लेखन कार्य :

- (ब) लेखन कार्य जो किसी अन्य लेखक द्वारा अन्य भाषा में लिखी गई पुस्तक का प्रतियोगी द्वारा अनुवाद नहीं हो :
- (ग) लेखन कार्य जो प्रतियोगी द्वारा किसी अन्य भाषा में किए गए मौखिक कार्य का पेशेवर अनुवादक द्वारा किया गया अनुवाद नहीं हो :
- (घ) हिन्दी में लिखी गई कोई पुस्तक जिसे प्रतियोगी ने अपनी शासकीय हैसियत अथवा अपने सरकारी कार्य के भंग के रूप में नहीं लिया हो :
- (ङ) पुस्तक जो प्रतियोगी द्वारा अथवा किसी अन्य पेशेवर अनुवादक द्वारा उस पुस्तक का अनुवाद नहीं हो जिसे प्रतियोगी द्वारा अंग्रेजी अथवा किसी अन्य भाषा में अपनी शासकीय हैसियत अथवा अपने सरकारी कार्य के भंग के रूप में लिया गया हो :
- (च) लेखन कार्य जो प्रतियोगी द्वारा अंग्रेजी अथवा किसी अन्य भाषा में पूर्ण लिखित और/अथवा प्रकाशित किसी पुस्तक का स्वयं प्रतियोगी अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा तैयार संश्लिष्ट हिन्दी पाठ नहीं हो; और
- (छ) पुस्तक जो किसी सरकारी संविदा अथवा सरकारी योजना के अन्तर्गत नहीं लिखी गई हो ।

4. पात्रता

पुरस्कार योजना की पात्रता नीचे लिखे आधारों पर होगी :—

1. पुस्तक मूलतः हिन्दी में लिखी होनी चाहिए ।
2. भारतीय प्रतियोगी द्वारा लिखी गई पुस्तक पर विशेष मंत्रालय से संबंध होना चाहिए जैसे कि राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग, संघियाँ, करार, विश्व शांति, गुट निरेपक्षता आदि ।
3. लेखन कार्य पूर्ण पुरस्कार प्राप्त नहीं होना चाहिए और न ही उसे पहले कभी वित्तीय सहायता मिली हो ।

5. प्रविष्टियाँ

- (क) सभी प्रकाशित पुस्तकें अथवा टंकित प्रतियाँ दोनों ही विचारार्थ स्वीकार की जाएंगी । निर्धारित प्रपत्र पर लेखकों को यह घोषणा करनी होगी कि पुरस्कार योजना के अन्तर्गत भेजी गई पुस्तक (पुस्तकें) उपर्युक्त पैरा 3 में दी गई परिभाषा के अनुकूल हैं ।
- (ख) प्रतियोगी को निर्धारित प्रपत्र में अपने आवेदन के साथ मुद्रित अथवा टंकित अथवा फोटो प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी । प्रविष्टि और आवेदन प्रपत्र विभिन्न भरकर विज्ञेयाधिकारी (हिन्दी), विदेश मंत्रालय, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएँ ।
- (ग) प्रतियोगी को अपनी पुस्तक के विषय के सार की पाँच प्रतियाँ भी प्रस्तुत करनी होंगी ।
- (घ) प्रविष्टियाँ प्राप्त करने की अन्तिम तारीख प्रतिवर्ष अक्टूबर मास की अन्तिम कार्य दिवस होगी । निर्धारित तारीख के बाद प्रस्तुत की गई पुस्तकों पर उस वर्ष के दौरान पुरस्कार देने के लिए विचार नहीं किया जाएगा ।
- (ङ) जिन पुस्तकों पर एक बार पुरस्कार के प्रयोजनार्थ विचार किया जा चुका है उन पर पुनरा विचार नहीं किया जाएगा यदि । मूल्यांकन समिति किसी वर्ष के दौरान यह पाती है कि उस वर्ष कोई भी पुस्तक ऐसी नहीं है जिसे पुरस्कार दिया जाए तो उस वर्ष कोई पुरस्कार नहीं दिया जाएगा ।
- (च) इस योजना के अन्तर्गत कोई भी प्रतियोगी उस वर्ष मूल्यांकन समिति का सदस्य बनने का पात्र नहीं होगा जिस वर्ष उसने पुरस्कार के प्रयोजनार्थ अपनी पुस्तक प्रस्तुत की हो ।

- (छ) यदि पुस्तक कहीं और पुरस्कृत हो चुकी है तो उस पर इस योजना के अन्तर्गत पुरस्कार दिए जाने के लिए विचार नहीं किया जाएगा । अपनी प्रविष्टि (प्रविष्टियाँ) भेजने समय लेखक को इस आशय का एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा ।
- (ज) मूल्यांकन समिति का निर्णय अन्तिम होगा ।

6. पुरस्कृत पुस्तक की खरीद

यदि पुरस्कृत पहले से ही मुद्रित है, तो विदेश मंत्रालय कम नियमों के अनुसार अपेक्षित कमीशन पर घटाकर पुस्तक की कुछ प्रतियाँ खरीदेगा । यदि पुरस्कृत पुस्तक का लेखक पुस्तक प्रकाशित कराने में असमर्थ है तो मंत्रालय उसके प्रकाशन की व्यवस्था किसी प्रकाशक के जरिए इस आश्वासन पर करेगा कि मंत्रालय उक्त पुस्तक की 200 प्रतियाँ खरीदेगा ।

7. पुरस्कार धनराशि

1. इस मंत्रालय में संबद्ध किसी विषय पर मूलतः हिन्दी में लिखी गई पुस्तकों को प्रत्येक वर्ष तीन पुरस्कार दिये जायेंगे । पुरस्कार इस प्रयोजन के लिए गठित मूल्यांकन समिति की सिफारिश के आधार पर दिये जायेंगे । पुरस्कारों की धनराशि नीचे लिखे अनुसार होगी :—

प्रथम पुरस्कार	10,000 रुपये
द्वितीय पुरस्कार	8,000 रुपये
तृतीय पुरस्कार	5,000 रुपये

2. यदि किसी वर्ष विशेष के दौरान मूल्यांकन समिति यह पाती है कि प्राप्त पुस्तकें वांछित स्तर की नहीं हैं, तो समिति उस वर्ष कोई भी पुरस्कार नहीं देने का निर्णय ले सकती है ।

3. यदि कोई अप्रकाशित पुस्तक (पुस्तकें) पुरस्कार हेतु भुन ली जाती है तो पुरस्कार प्राप्तकर्ता (प्राप्तकर्ताओं) को पहले पुरस्कार की आधी धनराशि दी जाएगी । पुरस्कार की शेष रकम पुस्तक के प्रकाशन के बाद दी जाएगी ।

8. कुछ अतिरिक्त मुद्दे

1. इस योजना का संचालन विदेश मंत्रालय करेगा ।
2. पुरस्कार योजना 1989 से प्रारम्भ होगी और पुरस्कार प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के लिए होंगे । लेकिन वर्ष 1982 में अथवा उसके पश्चात लिखी गई पुस्तकों पर भी वर्ष 1989 के दौरान पुरस्कार हेतु विचार किया जाएगा ।
3. प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में प्रस्तुत की गई पुस्तक (पुस्तकों) का मूल्यांकन मंत्रालय की मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा जिसके पाँच सदस्य होंगे जो हिन्दी के विभिन्न क्षेत्रों के लिए जाएंगे । समिति का निर्णय अन्तिम और बाध्यकारी होगा तथा उसके खिलाफ किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा ।
4. यदि किसी पुस्तक (पुस्तकों) का भाषा सरकार, किसी राज्य सरकार, विदेशी सरकारों, अथवा किसी अन्य निकाय अथवा संगठन द्वारा उनके द्वारा संचालित किसी योजना के अधीन कोई पुरस्कार अथवा सहायता मिली हो तो उस पुस्तक (पुस्तकों) पर पुरस्कार के लिए विचार नहीं किया जाएगा ।
5. किसी भी लेखक को एक कैलेंडर वर्ष में एक से अधिक पुरस्कार नहीं दिये जायेंगे ।

9. प्रविष्टियाँ आमंत्रित करने की विधिविधि

1. विदेश मंत्रालय देश के अंग्रेजी/हिन्दी के प्रमुख समाचार-पत्रों में आध-सूचना के सार्वजनिक प्रविष्टियाँ आमंत्रित करेगा । अधिसूचना प्रत्येक वर्ष अप्रैल मास में जारी की जाएगी ।

2. लेखक/प्रतियोगी निर्धारित प्रपत्र में आवेदन की पांच प्रतियां विशेषाधिकारी (हिन्दी), विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजेगा। आवेदन पत्र के साथ पुस्तक (पुस्तक) भी विचारार्थ भेजी जाएगी।

10. मूल्यांकन समिति

1. इस योजना के अन्तर्गत पुस्तकों/पाण्डुलिपियों के मूल्यांकन के लिए एक मूल्यांकन समिति होगी।

2. मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष सहित पांच सदस्य होंगे और इसका गठन विदेश मंत्रालय में सचिव द्वारा किया जाएगा।

यदि समिति चाहे तो वह मूल्यांकन कार्य में सहायता के लिए अधिक से अधिक दो विषय सह-आयोजित कर सकती है।

3. प्रतियोगियों की पुस्तकों के मूल्यांकन के लिए समिति के प्रत्येक सदस्य/विशेष को तथा इस योजना का कार्य देखने वाले प्रत्येक कर्मचारियों को विदेश मंत्रालय द्वारा विधिवत नियत मानदंड दिया जाएगा।

4. मूल्यांकन समिति के किसी सदस्य द्वारा अथवा उनके किसी रिश्तेदार द्वारा प्रभिट भेजने की स्थिति में, मूल्यांकन समिति में उक्त सदस्य की सदस्यता समाप्त की जाएगी।

5. विदेश मंत्रालय द्वारा मूल्यांकन समिति की सकारित स्वोकार कर लिये जाने के बाद पुरस्कारों की घोषणा की जाएगी।

11. अन्य

इस योजना के अधीन पुरस्कार प्रत्येक वर्ष दिये जायेंगे। तथापि, विदेश मंत्रालय के पास इस योजना में आवश्यकतानुसार कभी भी संशोधन करने का अधिकार होगा।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 19th October 1989

No. 80-Pres/89.—The President is pleased to direct that the following amendment shall be made in this Secretariat Notification No. 65-Pres/89, dated 20th July, 1989, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated 5th August, 1989 relating to institution of a Clasp "Sri Lanka" to be worn with "Special Service Medal" for recognition of service of personnel of Indian Peace Keeping Force in "OP Pawan" in Sri Lanka :—

In sub-para (a) and (e) of para 2.

For the words — one year
Read — 90 days

No. 81-Pres/89.—The President is pleased to direct that the following amendment shall be made in this Secretariat Notification No. 65-Pres/89, dated 20th July, 1989, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated 5th August, 1989 relating to the extension of Clasp "Sri Lanka" to "Videsh Seva Medal" to the personnel of Indian Peace Keeping Force in "OP Pawan" in Sri Lanka for recognition of their service :—

In sub-para (a) and (e) of para 2.

For the words — one year
Read — 90 days

RAJIV MEHRISHI
Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF PROGRAMME IMPLEMENTATION

New Delhi, the 28th September 1989

No. 15(1)/89-TTP.—Shri K. J. Mathew, Deputy Adviser, Twenty Point Programme Division in this Ministry would serve as Secretary, vice Shri S. Ramachandran, in the Sub-Groups on (i) Health and Family Welfare and (ii) Forestry, constituted in this Ministry's Notification No. 15/1/89-TTP dated the 5th May, 1989 for working out satisfactory norms for the qualitative monitoring of the 20-point Programme in their respective areas.

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रत्येक प्रति प्रधानमंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभागों, सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों, विशेष स्थित भागों के सभी मिशन, सभी पासपोर्ट कार्यालयों, भारत में स्थित सभी विश्वविद्यालयों और समाचार एजेंसियों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

दीपक राय, निदेशक

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर, 1989

अधिसूचना (24)

सं० एफ० 1-23/88-टी-13/टी० डी०-6—शैक्षिक अर्हता मूल्यांकन बोर्ड के अध्यक्ष की सिफारिशों पर भारत सरकार राजकीय पालिटैकनिक, कुरई से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के लिए म० प्र० तकनीकी शिक्षा बोर्ड, भोपाल द्वारा ग्रामीण प्रौद्योगिकी तथा प्रबन्ध में प्रदान किए जाने वाले 2 वर्षीय उत्तर-द्वितीय (उच्च तकनीकी) को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत उपयुक्त क्षेत्र में बरिष्ठ पदों तथा सेवाओं में भर्ती के लिए 1-11-88 से दो वर्ष की अवधि के लिए अस्थाई रूप से मान्यता प्रदान करती है।

एम० एम० चौधरी,

सहायक सलाहकार (टी)

No. 15(1)/89-TTP.—In partial modification of this Ministry's Notification of even number dated 5th May, 1989 constituting five Sub-Groups on Rural Employment, Health & Family Welfare, Drinking Water Supply, Forestry and Education, Shri M. D. Asthana, Joint Secretary, Deptt. of Rural Development, New Delhi-110 001 has been nominated as a member of the Sub-Group on Forestry.

KALYAN BISWAS, Jt. Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 22nd September 1989

RESOLUTION

No. I/20017/3/87-OL(A-1).—The following changes are effected in the membership of the Kendriya Hindi Samiti re-constituted under the Department of Official Language Resolution No. I/20017/3/87-OL(A-1) dated 20-1-1989 :—

- (1) At serial No. 6 "Minister of State in the Ministry of Communications" will be substituted for "Minister of Communications".
- (2) At serial No. 20 "Shri J. Chokka Rao, Member of Parliament" will be substituted for "Shri V. Tulsi Ram, Member of Parliament".

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the State Governments, Administrations of Union Territories, all the Ministries and Departments of the Government of India, President's Secretariat, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General Central Revenues, the Lok Sabha Secretariat and the Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SARWESHWAR JHA, Director.

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

JAWAHAR PURASKAR

New Delhi, the 3rd October 1989

RESOLUTION

No. Q/H/621/37/86.—The Ministry of External Affairs, Government of India, has decided to introduce a scheme 'Ministry of External Affairs Award for original writing in Hindi' to reward writers for their original works in Hindi on subjects related to the Ministry of External Affairs.

2. Objective :

The objective of the scheme is to encourage writing in Hindi on subjects pertaining to the MEA such as diplomacy, international cooperation, treaties and agreements, world peace, non-alignment etc. The award will be known as *Jawahar Puraskar*.

3. Definition :

An original writing in Hindi under this scheme is defined as :—

- (a) Work written originally in Hindi by the competitor himself,
- (b) Work which is not a translation by the competitor, of a book written in any other language by another writer,
- (c) Work which is not a translation by a professional translator of work originally written in another language by the competitor,
- (d) A book in Hindi which is not written by a competitor in his official capacity or as a part of his official work,
- (e) A book which is not the translation by the competitor or any professional translator of a book written in English or any other language by the competitor in his official capacity or as a part of his official work,
- (f) Work which is not a concise Hindi text prepared by the contestant himself or someone else of a book by the contestant in English or any other language written and/or published earlier, and
- (g) A book which has not been authored under a Government contract or a Government scheme.

4. Eligibility :

Eligibility for the award scheme will be on the following grounds :—

- (i) The book should be written originally in Hindi.
- (ii) The book written by an Indian competitor should be on a subject related to External Affairs such as diplomacy, international cooperation, treaties, agreements, world peace, non-alignment etc.
- (iii) The work should not have been awarded earlier nor should it have received financial assistance on an earlier occasion.

5. Entries :

Both published books or typed copies will be accepted for consideration. Writers will be required to declare on the prescribed proforma that the book(s) sent under the award scheme is (are) in accordance with the definition given in para 3 above.

- (b) The competitor will be required to submit printed or typed or photocopies of the entries along with his application in the prescribed form. Entries and application forms duly filled in should be sent to OSD (Hindi), Ministry of External Affairs, South Block, New Delhi-110 011.

(c) The competitor will also be required to submit five copies of the short summary of his book.

(d) The last date of receipt of entries will be the last working day of October every year. Entries received after the prescribed date will not be accepted for award during that year.

(e) Entries once considered for the award will not be considered again. If the Evaluation Committee does not find any book worthy of an award during any year, no award will be given in that year.

(f) No competitor under the scheme will be eligible to be a member of the Evaluation Committee for the year for which he submits his book for an award.

(g) No book shall be considered for the award under this scheme if it has received an award elsewhere. The writer will have to submit a certificate to that effect along with his entry(ies).

(h) The decision of the Evaluation Committee will be final.

6. Purchase of the awarded book :

If the book has already been printed, a certain number of copies of the book will be bought by the Ministry of External Affairs, according to the purchase rules after deducting the required commission.

If the writer of the awarded book is unable to get it published, the Ministry will try to arrange its publication by a publisher on the assurance that it (the Ministry) would buy 200 copies of the book.

7. Prize Money :

Three awards will be given for books written originally in Hindi on a subject related to this Ministry, each year. The awards will be based on the recommendation of the Evaluation Committee constituted for the purpose. The awards will be as follows :—

First Prize—Rs. 10,000/-.

Second Prize—Rs. 8,000/-.

Third Prize—Rs. 5,000/-.

2. If during a particular year, the Evaluation Committee finds that the books received are not of a desired standard, the Committee may decide not to give any award for that year.

3. If any unpublished book(s) is (are) selected for the award, the awardee(s) will be given half the amount of the prize money in the first instance. The remaining amount will be given after the publication of the book.

8. Some additional points :

(1) This scheme will be run by the Ministry of External Affairs.

(2) The award scheme will commence from 1989 and awards will be given for every calendar year. But books written or published in 1982 and thereafter will also be considered for the award during the year 1989.

(3) Book(s) submitted during each calendar year will be assessed by an Evaluation Committee of the Ministry comprising five members from different fields of Hindi. The decision of the Committee will be final and binding and to appeal against it will be entertained.

(4) If any book(s) has (have) received award or assistance from the Government of India, any State Government, foreign Governments, or any other body or organisation under any scheme run by them, it (they) will not be considered for the award.

(5) No writer will be given more than one award in one calendar year.

9. *Procedure for inviting entries :*

(1) Ministry of External Affairs will invite entries through a notification in the leading English/Hindi newspapers of the country. The notification will be issued in April every year.

(2) Authors/competitors will send five copies of application in the prescribed proforma to OSD(Hindi), Ministry of External Affairs, New Delhi. Ms/published books will also be sent for consideration along with the application.

10. *Evaluation Committee*

(1) There will be an Evaluation Committee for assessing the books/Ms under the scheme.

(2) The Evaluation Committee will comprise five members (including the Chairman). It will be constituted by the Secretary in the Ministry of External Affairs.

If the Committee so desires, it can co-opt up to two experts to help in the evaluation work.

(3) Every member/expert of the Committee, and every official of the Ministry looking after the work of the scheme, will be given an honorarium duly fixed by the Ministry of External Affairs for assessing the Ms/books of the competitors.

(4) If a member of the Evaluation Committee, or any person related to him sends any entry, he will cease to be a member of the Evaluation Committee.

(5) Award will be announced after the recommendations of the Evaluation Committee have been accepted by this Ministry.

11. *Others :*

Prizes will be given every year under this scheme. The Ministry, however, reserves the right to introduce modifications in the scheme as and when required.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat and all Ministries and Departments of Government of India, all State/Union Territory Governments, all Indian Missions abroad, all Passport Offices, all Universities and news agencies in India.

ORDERED further that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

DEEPAK RAY, Director.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 27th September 1989

NOTIFICATION (24)

No. F.1-23/88 T-13/T.D.5.—On the recommendations of the Chairman Board of Assessment for Education Qualifications, the Government of India has been pleased to recognise provisionally the 2 years Post-Diploma (Advance Technician) in Rural Technology & Management offered by the M.P. Board of Technical Education, Bhopal in respect of students passing out from the Government Polytechnic, Khurai for the purpose of recruitment to superior posts and services under the Central Government in the appropriate field w.e.f. 01-11-88 for a period of two years.

M. M. CHOUDHURY, Asstt. Educational Adviser (T).

